देव संस्कृति विश्वविद्यालय

पाठ्यक्रम परियोजना विवरण

संस्कृत प्रवेशिका

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम कोड ०७, पात्रता १२वीं, अवधि ६ माह, आयु सीमा ५० वर्ष)(वाञ्छित शैक्षिक प्रमाणपत्रः १०वीं एवं १२वीं कक्षा के अङ्कपत्र एवं उत्तीर्ण करने केप्रमाण)

इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राचीनतम, अत्यन्त समृद्ध, पूर्ण वैज्ञानिक एवं भारतीय संस्कृति की आधारभूत संस्कृत भाषा का सम्यक् एवं सांगोपांग ज्ञान प्रदान करना है। इस क्रम में पाठ्यक्रम के पत्रों का विभाजन व्याकरण, श्रुतिसुधा एवं चरितसुधा के रूप में किया गया है। वास्तविकता यह है कि आज राष्ट्रिय एकता, आर्थिक विषमता, अनुशासन-प्रशासन, शिक्षा-दीक्षा आदि से सम्बद्ध सभी समस्याओं का समाधान संस्कृत भाषा में ही निहित है। विश्वकल्याण की कामना से ही वैदिक संस्कृति अनुप्राणित है-**''सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।''**

प्रश्नपत्र संख्या	विषय	प्रश्नपत्र कोड	सत्रीय कार्य अङ्क	सत्रान्त परीक्षा अङ्क
प्रथम	व्याकरणम्	०७०१	२०	८०
द्वितीय	सुधासङ्ग्रहः	०७०२	२०	८०
तृतीय	महापुरुषाणां चरितम्	०७०३	२०	८०
चतुर्थ	परियोजना कार्य	०७०४	२०	८०

पाठ्यक्रम समन्वयक-डॉ० संगीता कुमारी , असिस्टेंट प्रोफेसर , संस्कृत एवं वेदाध्ययन विभाग , देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, गायत्रीकुञ्ज, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार- २४९४११ (उत्तराखण्ड)

परियोजना कार्य हेतु प्रस्ताविक विषय

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम - संस्कृत प्रवेशिका (कोड- ०७)

निम्नलिखित विषय विद्यार्थियों की सहायता के लिये उदाहरण स्वरूप दिये गये हैं - परियोजना-कार्य हेतु विद्यार्थी किसी एक विषय का चुनाव कर सकता है। अपने परियोजना पर्यवेक्षक से परामर्श के उपरान्त विद्यार्थी अन्य विषयों का चुनाव करने हेतु स्वतन्त्र है; परन्तु इस बात की सावधानी बरतनी होगी कि विषय पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु के अन्तर्गत आता हो।

- अष्टाध्यायी का परिचय
- सन्धि-प्रकरण
- समास-प्रकरण
- कारक-प्रकरण
- शब्दरूप एवं धातुरूप
- श्रुति-सुधा
- सूक्ति-सुधा
- चरित्र-सुधा
- विद्वांसः सत्पुरुषाः
- आदर्शनारीजनाः